Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 12-08-2005

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

>

Title : Need to improve the working condition of ESI modal hospital, jaipur.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : सभापति महोदय, मेरा छोटा सा निवेदन है कि जयपुर में एक ईएसआई अस्पताल है जिसे राज्य सरकार ने सितम्बर 2002 में अधिग्रहण कर लिया है। राज्य कर्मचारी बीमा निगम, नई दिल्ली के महानिदेशक द्वारा राज्य सरकार ने वर्ा 2002 में अधिग्रहण कर लिया। पूरे भारतवर्ा में मजदूर व निर्धन रोगियों को बेहतर व उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 16 ईएसआई मॉडल अस्पताल शुरू किए गए थे। इस अस्पताल में चिकित्सक एवं पैरामैडिकल स्टॉफ राज्य के स्वास्थ्य विभाग से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत् हैं। राज्य व निगम ईएसआई के लिखित अनुबंध के अनुसार मॉडल अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों को केन्द्र के अनुरुप वेतन भत्ता व अन्य सभी सुविधाएं ईएसआई निगम द्वारा प्रदान की जायेंगी। इसके अतिरिक्त इन्हें उच्च स्तर व आधुनिक स्वास्थ्य यंत्रों के इन्स्ट्रूमैंट्स, चिकित्सालय के आपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई आदि सभी दिये जायेंगे लेकिन कुछ भी काम नहीं हुआ है।

मेरा निवेदन है कि इस मॉडल अस्पताल जयपुर को वर्श 2002 में 13 करोड़ रुपये के लगभग आवंटित किए गए थे परन्तु दुख इस बात का है कि कुछ भी काम नहीं हुआ। न वार्ड मे काम हुआ है, न ईएसआई अस्पताल में काम हुआ और न कोई औजार व फर्नीचर खरीदे गये। ि वभाग ने केवल आउटडोर में टाइल्स लगा दी और कहा कि बहुत सुन्दर काम हो गया। स्टॉफ की कमी के कारण आईसीयू भी बंद पड़ा है। चिकित्सालय परिसर में 16 लाख का बेसमैनेजमैंट का एक प्लांट लगा हुआ है, वह भी बंद है। परिसर में गन्दगी का अंबार लगा हुआ है। गरीब असहाय व मजदूर वर्ग के रोगियों को उच्च इलाज सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। इस मॉडल अस्पताल के बाहर व अंदर चारों तरफ एक बड़ा गंदा नाला है जो बीच से होकर जाता है। मेरा कहना है कि वहां क्या इलाज होगा ? इस कारण पूरे अस्पताल में आवासीय परिसर में मच्छर मक्खी व गंदगी का आलम है। अवासीय परिसर व अस्पताल में गन्दा पानी एक गंभीर समस्या है और पेयजल शुद्ध करने हेतु जल शुद्धिकरण यंत्र स्थापित नहीं किया गया है। ईएसआई निगम मे प्रत्येक कर्मचारी को बोनस का भुगतान जो प्रतिर्वा करना था, वह भी नहीं किया है। जयपुर के इस अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ, पैरामैडिकल स्टाफ व अन्य स्टॉफ 50 परसेंट से भी कम सेवारत हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : भार्गव जी, आप मुख्य बिन्दु पर आइये।

...(व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : एक-एक नर्स को दो-तीन वार्डों में काफी काम करना पड़ता है। मेरे कहने का मतलब है कि इस अस्पताल की सारी हालत खराब है। कर्मचारी बहुत दुखी है। उनको पैंशन का जो पैसा मिलना चाहिए था, वह पैसा भी उन पर बकाया है। उनको न पैंशन मिल रही है, न बोनस मिल रहा है, न स्टॉफ बढ़ रहा है और न ही इन्स्ट्रूमैंट ठीक प्रकार से उपलब्ध कराये गये हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि ईएसआई गरीबों का अस्पताल है इसलिए उसमें सभी सुविधायें दी जाये। इसके साथ-साथ जो कर्मचारी केन्द्रीय कर्मचारी बन गये हैं, उनको केन्द्र सरकार की सारी सुविधाएं मिले।